मात्रा कम हो गई है।

(7) दिल्ली प्रशासन को जल अधिनियम की धारा 4(4) के तहत सांविधिक शक्तियां दी गई हैं, और उन्होंने संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली के लिए एक समिति का गठन किया है जिसे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सांविधिक शक्तियों के समान सांविधिक शक्तियां प्रदान की गई हैं। ऐसी शक्तियों के विकेन्द्रीकरण और संघ राज्य क्षेत्र में विभिन्न एजेंसियों के बीच निकट समन्वय बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है।

गंगा सफाई परियोजना से जुड़े हुए स्वयं-सेवी संगठन

242. **श्री अजीत जोगी:**
श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव:

क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गंगा सफाई परियोजना से कौन-कौन से स्वयं-सेवी संगठन जुड़े हुए हैं; और

(ख) उक्त संगठन किन-किन राज्यों/शहरों में कार्यरत है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह): (क) और (ख) गंगा स्वच्छता परियोजना से संबद्ध स्वयं-सेवी संगठनों की उनके कार्य-स्थान के साथ एक विवरण संलग्न किया जा रहा है।

विवरण

गंगा स्वच्छता परियोजना से संबंधित स्वयं-सेवी संगठनों का विवरण

क्र० सं०	स्वयं सेवी संगठनों के नाम	नगर/शहर	राज्य
1.	इन्टेक (दिल्ली), 71, लोधी रोड, नई दिल्ली	ऋषिकेश, हरिद्वार, कानपुर, इलाहबाद, वाराणसी, पटना, कलकत्ता	उत्तर प्रदेश/बिहार/ पश्चिम बंगाल
2.	सेंटर फार इन्वार्नमेंटल एजूकेशन, अहमदाबाद, गुजरात	ऋषिकेश, फर्रूखाबाद, पटना, फतेहगढ़, वाराणसी, बैरकपुर	उत्तर प्रदेश/बिहार/ पश्चिम बंगाल
3.	हिमालय वन-जीव संस्थान (उत्तर प्रदेश)	ऋषिकेश, हरिद्वार	उत्तर प्रदेश
4.	सुनील संघ, चन्दनगर (पश्चिम बंगाल)	हुगली	पश्चिम बंगाल
5.	क्षेत्रागार कल्याण संघ, हुगली (पश्चिम बंगाल)	हुगली	पश्चिम बंगाल
6.	गोरा बाजार बहरामपुर टाउन क्लब (पश्चिम बंगाल)	बहरामपुर	पश्चिम बंगाल
7.	एकेडमी आफ इन्वार्नमेंटल साइंसेस, फर्रूखाबाद (उ०प्र०)	फर्रूखाबाद/ फतेहगढ़/ कान्नौज	उत्तर प्रदेश
8.	एकेडमी आफ इन्वार्नमेंटल साइंसेस, गढ़मुक्तेश्वर (उ०प्र०)	गढ़मुक्तेश्वर	उत्तर प्रदेश
9.	सैप्टिक सोसायटी, कलकत्ता (पश्चिम बंगाल)	कलकत्ता	पश्चिम बंगाल
10.	गंगा सेवा शिविर, इलाहबाद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ०प्र०)	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश
11.	डा० अम्बेडकर मेला सोसायटी, बैरकपुर	बैरकपुर	पश्चिम बंगाल
12.	गांधी मेला, गांधी जन्मोत्सव उद्जापन समिति नईहाटी, (पश्चिम बंगाल)	नईहाटी	पश्चिम बंगाल
13.	नेशनल कौंसिल आफ डेवलपमेंट कम्युनिकेशन, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	वाराणसी	उत्तर प्रदेश
14.	श्री काशी गंगा घाट सुधार समिति, वाराणसी, (उ०प्र०)	वाराणसी	उत्तर प्रदेश

क्र० सं०	स्वयं सेवी संगठनों के नाम	नगर/शहर	राज्य
15.	स्कूल आफ फंडामेंटल रिसर्च, टालीगंज (पश्चिम बंगाल)	बख्तियारपुर, मोकामा, मुंगेर, सुल्तानगंज भागलपुर, राजमहल, फरक्का, कृष्णानगर, कलकत्ता, गंगा सागर	बिहार/पश्चिम बंगाल
16.	जय प्रकाश नारायण जन्मोत्सव समिति, नादिया (प०बं०)	नादिया	पश्चिम बंगाल
17.	भारतीय और राजीव, चिन्सुरा	चिन्सुरा	पश्चिम बंगाल
18.	सेन्टर फार स्टडी आन मैन एंड इन्वार्नमेंट, कलकत्ता (पश्चिम बंगाल)	बैरकपुर	पश्चिम बंगाल
19.	बंगाल फाइन आर्ट्स कालेज, नार्थ-24 परगना	नार्थ-24 परगना	पश्चिम बंगाल
20.	नार्थ-24 परगना जिला मणिमेला (पश्चिम बंगाल)	नार्थ-24 परगना	पश्चिम बंगाल
21.	कमेटी फार नेशनल इन्टीग्रेशन, कलकत्ता (पश्चिम बंगाल)	कलकत्ता	पश्चिम बंगाल
22.	कैनिंग मिलान चक्र, साऊथ 24 परगना (पश्चिम बंगाल)	साऊथ-24 परगना	पश्चिम बंगाल
23.	संकट मोचन निधि, अमर भवन, वाराणसी (उ०प्र०)	वाराणसी	उत्तर प्रदेश
24.	राष्ट्रीय ग्रामीण शोध संस्थान, इलाहाबाद (उ०प्र०)	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश
25.	सबुज स्वप्न, नार्थ-24 परगना (पश्चिम बंगाल)	नार्थ-24 परगना	पश्चिम बंगाल

देश के विभिन्न भागों में हाथियों का मारा जाना

243. **श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव:** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को यह जानकारी है कि देश के विभिन्न भागों में हाथी दांत प्राप्त करने के लिए हाथियों की हत्या की जा रही है; और

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष शिकार-चोरों द्वारा राज्य-वार कितने-कितने हाथियों की हत्या की गई है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह): (क) विभिन्न राज्यों से हाथियों के चोरी-छिपे शिकार की रिपोर्टें समय-समय पर प्राप्त होती रहती हैं।

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान चोरी-छिपे शिकार कर्ताओं द्वारा मारे गए हाथियों की संख्या निम्नलिखित है:

राज्य	1989-90	1990-91	1991-92 के दौरान मारे गए हाथियों की संख्या
आसाम	04	05	05
केरल	04	03	15
कर्नाटक	07	12	10
उड़ीसा	16	19	07
तमिलनाडु	07	04	05
उत्तर प्रदेश	03	—	—
पश्चिम बंगाल	—	—	01
	41	43	43

मध्य प्रदेश में पक्षियों का शिकार किया जाना

244. **श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव: क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्या सरकार को मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर पक्षियों का अवैध शिकार किए जाने की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो पक्षियों के शिकार को रोकने के लिए राज्य सरकार को क्या निर्देश जारी किये हैं; और